वह परमेश्वर जो हमें आराम देना चाहता है

ठीक है, सभी को शुभ संध्या। मैं आपका ध्यान
चाहता हूँ। मुझे आपको इकट्ठा करने की अनुमती दें,

हम ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं सप्ताह
के हमारे बड़े विषय पर,

जिसे इस सप्ताह हमने बुलाया है,
'वह परमेश्वर जो हमें आराम देना चाहता है'।

और मैंने सोचा कि मैं आज रात की शुरूवात
आपको मेरा एक ऐसा उत्तम सुझाव देकर करूंगा

जीससे मेरा विचार है किसी भी अच्छी पार्टी को बर्बाद
करने कीगारंटी है। ठीक है? आप इसके लिए तैयार हैं?

ये मत कहो कि मैं एक उदार आदमी नहीं हूँ।

ठीक है, आपके पास अपने खुद के
व्यक्तिगत तरीके होंगे पार्टियां बरबाद करने के,

लेकिन, मुझे लगता है, यहाँ एक गारंटी का तरीका है,
चाहे हम जो भी हों।

पार्टी को बर्बाद करने का एक सार्वभौमिक
तरीका है। आप इस के लिए तैयार है?

तो आपको यह करना है की, आप तैयार हो,
आप दृश्य कि कल्पना कर सकते हैं,

आप पार्टी में पहुंच चुके हैं
और अब तक बहुत बढ़ियां चल रहा है।

ठीक है, संगीत बज रहा है, खाना बढ़ियां है, बहुत ही
बढ़िया साथ है,

जिन्हे भी आप चाहते हैं वे सारे वहाँ है।

और अब तक किसी ने भी नृत्य फर्श पर जा कर
अपना मज़ाक नहीं उड़वाया है,

कोई भी बेसुरा नहीं गा रहा है। यह एक
शानदार पार्टी है,

आप आनंद ले रहे हैं। अच्छा, आप मेरे साथ है?
अच्छा। वैसे, इसे इस तरह बर्बाद करना है।

© Lee McMunn, 2011

बस बातचीत शुरु होते ही, आवाज़ थोड़ी ऊंची करें

और कहे, 'मैं आपको बताऊं! यह एक उपयुक्त समय है मृत्यु
के बारे में बात करने का।'

आपका क्या ख्याल है? सही है ना?

यदि आप जाने जाते हैं
पार्टियों में ऐसा कहने के लिए,

तो मुझे लगता है कि गारंटी के साथ आपको बहुत पार्टियों
का आमंत्रित नहीं आता होगा, है ना?

तथ्य यह है, बिलकुल,
कि हमारे मृत्यु के बारे में बात करना,

पार्टियों में हमारी मौत के बारे में बात करना
बेवकूफी की तरह लगता है। अब, मुझे पता है ।

लेकिन मुझे लगता है कि आज रात मेरा
सवाल है, यदि पार्टियों में नहीं तो, कब?

हम कब बात करेंगे उस विषय पर जो हमारे साथ
निश्चित रूप से होने वाला है?

आप शायद कहेंगे, 'अच्छा, शायद हम काम के बाद
इस विषय पर बात कर सकते हैं।'

अच्छा, ,कार्यालय या कारखाने में या
जहाँ कहीं भी हम काम करते हैं हमारा दिन बुरा रहा।

मैं सिर्फ चाय पीना चाहता हूँ, कुछ टीवी देखना चाहता हूँ।

सप्ताह के अंत के बारे में क्या खयाल हैं? सप्ताहांत नहीं
क्योंकि हमें बहुत सारे अन्य काम करने हैं

हम आराम करना चाहते हैं।
हम आनंद लेना चाहते हैं।

अगर जब हम रात के खाने पर अपने दोस्त के
साथ बाहर जा रहे हैं तब,

या शायद उनके घर जाकर?
नहीं, यह उस बात के लिए उचित समय नहीं है, है ना?

अच्छा, तो शायद अंतिम संस्कारों पर।
अब, यह दिलचस्प है।

© Lee McMunn, 2011

यह मेरा काम है, कि मुझे अंतिम संस्कारों पर बोलना होता हैं।
लेकिन वहाँ भी, जैसे मैं लोगों की आँखो में देखता हूँ

और उनसे कहता हूँ कि उस ताबूत
को उन सब से बात करने दें ऐसे दिन पर,

जो कि उन्हें याद दिलाता है कि
एक दिन यह उनका भी होगा,

मैं उन्हें मेरी ओर देख कर, यह सोचते हुए देखता हूँ कि,
'कितना अनुचित हैं!

कितना अनुचित है, ऐसे दिन पर,
आपका मुझसे मेरी मौत के बारे में बात करना!'

और मैं सोचता हूँ, ठीक है,
तो हम मृत्यु के बारे में कब बात करेंगे?

इसके कई कारण हैं कि हम क्यों इस तथ्य का
सामना नहीं करना चाहते कि एक दिन हम मर जाएंगे।

हम काफी ज़्यादा एक
मनोरंजन संचालित संस्कृति हैं,

और हम सब उन चीज़ों कि खोज मे रहते हैं
जो हमें मुस्कुराहट और खुशी देते हैं,

और 'मुस्कान यंत्र' पर, मृत्यु का स्तर वास्तव में बहुत
ऊंचे पर नहीं है, है क्या?

हम एक ऐसी संस्कृति भी हैं जिसे भविष्य से बहुत डर
लगता है। हम वास्तव में मौत के बारे में नहीं सोचते है

क्योंकि हमारे पास इसके कई जवाब नहीं है।
हमें अज्ञात से डर लगता है,

और मुझे लगता है कि हम इसलिए भी डरते हैंक्योंकि उन
सारी उपलब्धियों के लिए मृत्यु का क्या अर्थ होगा।

हम ताबूत के बारे मे क्या जानते है?
ताबूत मे कोई अतिरिक्त जगह नहीं, है क्या?

आप अपनी उपलब्धियों का लेखा
अपने साथ ले कर नहीं जाते।

© Lee McMunn, 2011

आप अपनी कोई भी संपत्ति को अपने साथ
नहीं ले कर जाते।

और हमारी मौत का तथ्य बस बरबाद करने की
धमकी देता है उन सभी अच्छे समयों,

सभी प्रयासों, के महत्व को।

और मौत के बारे में एक और बात है जिसके कारण
हम उसके बारे में सोचना नहीं चाहते है, वह है,

यद्यपि हम जानते हैं कि यह हमारे साथ होगा,
यह हमें बहुत पास प्रतीत नहीं होता।

हम जानते हैं कुछ समय
बाद में यह होगा,

लेकिन यह नहीं लगता है
कि यह बहुत जल्द होगा।

तो जब आप इन सभी बातों को
इकट्ठा करते हैं,

मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति में
आप अपना पूरा जीवन बिता सकते हैं

बिना किसी से मृत्यु के बारे में
गंभीर बातचीत किए।

अब, आज रात, आप शायद बता सकते हैं,
मैं चाहता हूँ कि हम हमारी मृत्यु के बारे में बात करें।

अब, मैं ऐसा इसलिए नहीं करता
क्योंकि मैं एक दुखी, निराश स्कॉटलैंड निवासी हूँ।

मुझे आशा है कि अब तक आपको यह
एहसास हो गया होगा कि मैं ऐसा नहीं हूँ।

मैं दुखी नहीं होना चाहता।
मैं निराश नहीं होना चाहता।

लेकिन मैं यह इस कारण करना चाहता हूँ
क्योंकि मैं विश्वास करता हूँ कि इस किताब में

यीशु ने कुछ अद्भुत उत्तर दिए हैं, कुछ सच मे
बहुत सांत्वना देने वाले उत्तर आपको और मुझे

© Lee McMunn, 2011

जिसके बारे में यीशु के अनुयाई अपेक्षा कर
सकते हैं। तो अपने सुसमाचार लें,

और काफी मददगार होगा यदि आप मेरे साथ
यूहन्ना अध्याय 11 की ओर मुड़े।

तो अगर आप यूहन्ना 11 अध्याय को ढूंढ लें, और
आज रात आप एक अद्भुत दावत पर हैं।

तो हम यूहन्ना 11 की 45 आयतों को देखेंगे।
क्या यह ठीक है? बढ़िंया।

ठीक है, हम आयत 1 से शुरू करेंगे।
ज़रा नज़र डालें कि हमें क्या बताया गया है:

"मरियम और उस की बहिन मारथा
के गांव बैतनिय्याह का लाज़र नामक

एक मनुष्य बीमार था।

(यह मरियम, जिसका भाई लाज़र
अब बीमार पड़ा था,

थी जिसने प्रभु पर इत्र डाल उसके पैरों को
अपने बालों से पोंछा था।)

इसलिए बहनों ने उसे यह संदेश भेजा,
'प्रभु, देख जिससे तू प्रीति रखता है वह बीमार है।'

परंतु जब यीशु ने यह सुना तो कहा,
'यह बीमारी मृत्यु की नहीं,

परंतु परमेश्वर की महिमा के लिए है, कि
इसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र कि महिमा हो।'

यीशु तो मारथा और उसकी बहन और
लाज़र से प्रेम रखता था।" अब, मैं यहीं रुकुंगा,--

और मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ।
जो हमें अभी कहा गया है उसे देखते हुए,

आपको क्या लगता है हमें आगे क्या पढ़ना चाहिए?

तो हमें यीशु के प्रेम के बारे में बताया गया है
इस परिवार के लिए,

© Lee McMunn, 2011

हमें बताया गया है कि यह आदमी
लाज़र बीमार है...

अच्छा, आपको क्या लगता है
हमें आगे क्या पढ़ना चाहिए?

शायद, ठिक है, यीशु ने यह सुना,
वह उसे प्यार करता था

और वह तुरंत सबसे तेज़ ऊंट पर सवार हो कर,
और तुम्हें पता है, बैतनिय्याह की ओर निकल पड़ा।

हो सकता है। या शायद आप सोचते हैं, ठीक है,
वास्तव में यीशु को वहाँ जाने कि कोई आवश्यकता नहीं थी

समस्या का हल निकालने के लिए। उसने यह किया है
पहले, कुछ अध्याय पहले,

यूहन्ना अध्याय 4 में उसने चंगा किया था
एक शाही अधिकारी के बेटे को

वह भी बिना वहाँ पहुंचे;
सिर्फ एक शब्द, और वह आदमी चंगा हो गया।

ठीक है, यीशु तुरंत यह कर सकता था,
है ना? सबसे तेज ऊंट पर,

या बस जहाँ वह था, वह उसे
तुरंत चंगा कर सकता था।

लेकिन सुनिए हमें क्या बताया गया है: आयत 6।

"फिर भी जब उसने सुना कि वह बीमार है,
तो जिस स्थान पर वह था, वहाँ दो दिन और ठहर गया।"

अब, यह चौंकाने वाला है, है ना?
उन्होंने सुना है कि वह बीमार था,

और वे जानबूझकर रुके थे
जहाँ वह था दो दिन और,

और उसने ऐसा क्यों किया? क्या आप तैयार हैं
इस के लिए? यह चौंकाने वाला है।

वह दो दिन और रुके यह सुनिश्चित करने के लिए
कि जब तक वे बैतनिय्याह पहुंचेगे,

© Lee McMunn, 2011

वह जगह जहां लाज़र रहता था, उसने
यह सुनिश्चित किया कि जब तक वह वहाँ पहुँचे,

लाज़र मर चुका होगा
कुछ दिन पूर्व।

चौंकाने वाली खबर यह है,
वह जानबूझ कर पीछे रुके रहे

सुनिश्चित करने कि लाज़र सच में मर चुका था।

अब आपको लगता है, यह चौंकाने वाला है,
है ना? लेकिन ऐसा किया क्यों?

ठीक है, यीशु ने जानबूझकर ऐसा किया
ताकि उस समय के लोगों,

और आपके और मेरे जैसे लोग,
परमेश्वर कि महिमा के बारे में कुछ देख सकें।

आपको पता है, यीशु ने कहा कि बीमारी अंततः
मौत में खत्म नहीं होगी,

और यह इसलिए नहीं था क्योंकि वह जानता था
कि वह दौड़ कर जाएगा और लाज़र को बचाएगा

अंतिम सांस लेने से पहले।
वह जानता था कि वह मर जाएगा,

लेकिन वह जानता था कि अंततः वह आएगा
और उसे मरे हुओं में से जीवित उठाऐगा।

और यीशु जानता था कि यह एक गौरवशाली
बात होगी जो हम परमेश्वर के बारे में जानेंगे।

क्योंकि यीशु का आकर किसी बीमार
व्यक्ति को चंगा करना जितना अद्भुत हैं,

उससे कितना अधिक महिमामय है यीशु का
एक मृत व्यक्ति को उठाना,

और न सिर्फ मृत,
लेकिन कब्र में सड़ते आदमी को।

अब, यह अधिक महिमामय है।
और आपके और मेरे लिए कितना बेहतर हैं?

© Lee McMunn, 2011

क्योंकि हाँ, हम चाहेंगे कि लोग
बीमारी से चंगे हो जाए,

लेकिन वह बड़ा उत्तर कौनसा है जिसे हम चाहते हैं?

न सिर्फ बीमारी, हम जवाब चाहते हैं
शारीरिक मृत्यु का।

और यही कारण है कि यीशु ने देर की।
ताकी हम मृत्यु के उस जवाब को पा सकें,

और ताकि हम परमेश्वर के बारे मे
कुछ महिमामय देख सकें।

अब, 7 से 16 आयतों में एक वार्तालाप है जो
दो दिन बाद दर्ज किया गया

यीशु और उसके चेलों के साथ, और यह मुझे
पसंद है। इसे मैं आप के लिए पढ़ता हूँ। आयत 7:

"तब इसके पश्चात उसने चेलों से कहा," यह दो
दिनों बाद है, "'चलो हम यहूदिया को चलें।'

चेलों ने उससे कहा, 'रब्बी, अभी तो
यहूदी तूझे पथराव करना चाहते था,

और क्या तू फिर वहीं जाता हैं?'
यीशु ने उत्तर दिया,

'क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते?

यदि कोइ दिन मे चले तो वह ठोकर नहीं खाता,
क्योंकि वह इस जगत के प्रकाश को देखता है।

परंतु यदि कोइ रात मे चले तो ठोकर खाता है,
क्योंकि उसमे प्रकाश नहीं।'

ऐसा कहने के पश्चात
उसने उनसे कहा,

'हमारा मित्र लाज़र सो गया है;

परंतु मैं जाता हूँ कि उसे नींद से जगाऊं।'"
और क्या आप इसे पसंद नहीं करते?

आयत 12: "इसलिए चेलों ने उससे कहा,
'प्रभु, यदि वह सो गया है तो वह बच जाएगा।'

© Lee McMunn, 2011

यीशु ने तो उसकी मृत्यु के विषय मे कहा था,

लेकिन उसके चेलों ने सोचा प्राकृतिक नींद।"
वे कितने ईमानदार हैं स्वयं के बारे में।

"इस पर यीशु ने उनसे स्पष्ट कह दिया,
'लाज़र मर गया है,

और मैं तुम्हारे कारण आनंदित हूँ कि मैं वहाँ नहीं था ,
जिससे कि तुम विश्वास करो।

आओ अब हम उसके पास चलें।'
इसलिए थोमा ने जो दिदुमुस कहलाता है,

अपने साथी चेलों से कहा, 'चलो, हम भी
उसके साथ मरने चलें।'"

अब, मैं आपका ध्यान इस बात पर केंद्रित करना चाहता
हूँ कि यीशु ने लाज़र की मौत को कैसे संदर्भित किया।

वह निश्चित जानता था
कि लाज़र शारीरिक रूप से मर चुका है।

लेकिन वह उसका वर्णन कैसे करता है? वह कहता है,
'वह सो गया है।' अब, ऐसा क्यों है?

ठीक है, यीशु इस अद्भुत, उत्कृष्ट दावे को
करने की कोशिश कर रहा था,

कि, जितना आसान है हमारे लिए किसी
को दोपहर कि नींद से जगाना,

उतना ही आसान है यीशु के लिए
किसी को मुर्दों में से शारीरिक रूप से उठाना।

अब, मैं आपको समझाने कि कोशिश करता हूँ
और इसका क्या मतलब है।

अब, कुछ अवसरों होते हैं जब मैं
अपने घर मे टहल रहा होता हूँ,

और मेरी पत्नी सोफे पर सो रही है।

ठीक है, अब आप सोच सकते हैं कि यह है
एक प्यारा, मनोहर दृष्य है,

वो वहाँ है, और सोफे पर हमेशा खर्राटे नहीं लेती है,

© Lee McMunn, 2011

लेकिन वो एक झपकी ले रही है
सोफे पर, और मैं कमरे में आता हूँ,

और अच्छा, मैं यह नहीं कहता,
'ओह, नहीं! वह झपकी ले रही है!'

यह रही, वह आराम कर रही है,
और अगर मैं उसे जगाना चाहता हूँ तो,

यह काफी आसान है। अब,
मैंने इतिहास के पाठ सीखे हैं,

कि मुझे इसे सही तरीके से करना चाहिए,
हालांकि कोआला भालू काफी सुंदर होते हैं,

वे काफी खतरनाक भी हो सकते हैं
अगर उन्हें गलत तरीके से जगा दिया जाए,

तो मैं एक चिड़चिड़ी विक्टोरिया नहीं चाहता हूँ।

लेकिन मुझे उसे नींद से जगाना
उतना मुश्किल नहीं लगता है।

ठीक है, मेरे लिए मेरी पत्नी को
झपकी से जगाना जितना आसान है,

यीशु के लिए उतना हि आसान है किसी को
मृतकों मे से शारीरिक रूप से उठाना।

अच्छा, यह उसका दावा है। चलो एक नज़र डालते हैं कि
पहुंचने पर वह क्या करता है।

आयत 17 में: "अतः जब यीशु आया, तो उसे मालूम हुआ
कि उसे कब्र मे रखे

चार दिन हो चुके हैं। बैतनियाह तो यरूशलेम के समीप,
कोई दो मील की दूरी पर था,

और बहुत से यहूदी, मारथा और मरियम
उनके भाई के विषय मे उन्हें

सांत्वना देने आऐ थे।
इसलिए मारथा ने जब सुना कि यीशु आ रहा है,

तो वह उससे मिलने गई,
परंतु मरियम घर मे ही बैठी रही।

© Lee McMunn, 2011

मारथा ने यीशु से कहा, 'प्रभु, यदि तू यहाँ होता,
तो मेरा भाई नहीं मरता।

अब भी मैं जानती हूँ कि तू परमेश्वर से जो कुछ मागेंगा,
परमेश्वर तुझे देंगा।'"

अब, आप निराशा महसूस कर सकते हैं,
मुझे लगता है, उसके शब्दों में।

"यदि तू यहाँ होता, तो
मेरा भाई नहीं मरता।"

पता है, यदि आप यहा आस पास होते,
आप यहाँ जल्दी पहुंच जाते,

तो यह दृश्य ना होता। फिर भी,
निराशा के शब्दों के माध्यम में से भी,

अभी भी कुछ उम्मीद भरी अपेक्षा है
कि शायद यीशु कुछ कर सकता है।

सवाल है, वह क्या कर सकता था?

यह नहीं कि यीशु पहुंचे हैं
और वे किसी आधूनिक औषधी के पाठ्यक्रम पर गए थे,

और कि वह सीपीआर लगा सकते हैं। ऐसा बिलकुल नहीं है,
है ना? वह कई दिन पहले मर चुका है।

और ऐसा भी नहीं है कि यीशु अंतिम संस्कार
की व्यवस्था मे मदद कर सकते हैं।

वे इसे चूक गए। लेकिन अब जब वे पहुंचे हैं,
वे क्या कर सकते हैं?

अच्छा, मेरे साथ देखें
यीशु आयत 23 में क्या कहते हैं:

"यीशु ने उससे कहा,
'तेरा भाई फिर जी उठेगा।'

और मार्था ने उससे कहा,
'मैं जानती हूँ कि अंतिम दिन मे पुनरूत्थान के

समय वह जी उठेगा।' यीशु ने उससे कहा,"
इन शब्दों पर ध्यान दे,

© Lee McMunn, 2011

"'पुनरूत्थान और जीवन मैं ही हूँ।
जो मुझपर विश्वास करता है यदि मर भी जाए,

फिर भी जिएगा, और प्रत्येक जो जीवित है, और
मुझ पर विश्वास करता है, कभी नहीं मरेगा।

क्या तू इस पर विश्वास करती है?'
उसने उससे कहा, 'हाँ, प्रभु,

मैंने विश्वास किया है कि
तू ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है,

अर्थात वही जो जगत में आने वाला था'"

अच्छा, यह मार्था है, और उसे विश्वास है
भविष्य की किसी प्रकार कि आशा में,

और भविष्य के पुनरुत्थान में।

उस समय कई यहूदी भी यही विश्वास करते
थे, कि एक भविष्य का दिन आएगा

जब वे सब जिन्हें परमेश्वर में विश्वास हैं
शारीरिक रूप से मरे हुओं में से उठाए जाएंगे।

और यही उसकी भी आशा थी।
उसे पता था कि वह अपने भाई को फिर से देखेगी,

लेकिन कहीं दूर भविष्य में।
और यीशु को भी उस दिन मे विश्वास था,

लेकिन यहाँ, आप देखते हैं,
वह इसे अधिक व्यक्तिगत बनाता है

और अधिक उस पर केंद्रित।
'हाँ, हाँ, भविष्य मे ऐसा दिन आ रहा है,

लेकिन मै तुम्हें मेरे बारे मे बताता हूँ।' यीशु कहते हैं,
"पुनरूत्थान और जीवन मैं ही हूँ।"

अब, उसके यह कहने का क्या मतलब है?
अच्छा, वे दो बातें कहते हैं,

और आपको दो चीजों को देखना है समझने के लिए
कि यीशु के कहने का क्या मतलब है।

© Lee McMunn, 2011

वे कहते हैं, "मैं पुनरूत्थान हूँ,"
और वह कहते हैं, "मैं जीवन हूँ।"

अब, उसके कहने का अर्थ क्या है?
"मैं पुनरूत्थान हूँ।"

वे कहते हैं, 'यह मेरी ज़िम्मेदारी होगी
लोगों को भविष्य में

मृतकों में से शारीरिक
रूप से उठाने कि।

मैं सिर्फ इस शो का हिस्सा नहीं हूँ;
मैं इस शो का सितारा होने वाला हूँ।

मैं ही वह हूँ जो लोगों को
शारीरिक रूप से मृतकों में से उठाएगा'

और यह मुझे अच्छा लगता है,
क्योंकि यह सब शारीरिक है।

परम आशा है शारीरिक रूप से मरे
हुओं का पुनरूत्थान।

मुझे नहीं पता की आप कि स्वर्ग की आशा क्या,
लेकिन यह कोई उबाऊ अस्तित्व नहीं है,

पता है, एक बादल पर बैठे हुए,
एक वीणा बजाना। क्या यह तुम्हें उत्तेजित करता है?

क्या पता, शायद वीणा के कुछ दौर...

लेकिन उस के बाद क्या?
अच्छा, यीशु कहते है अंतत परम लक्ष्य

उसके सभी अनुयायियों का होगा
मरे हुओं में से शारीरिक पुनरूत्थान पाना।

"मैं पुनरूत्थान हूँ," वह कहता है।

परन्तु केवल इतना नहीं वह यह भी कहता हैं,
"मैं जीवन हूँ।"

और तब यह वास्तव में विवादास्पद हो
जाता है। क्योंकि यीशु का दावा है

© Lee McMunn, 2011

कि हम उसके बिना अस्तित्व मे तो हो सकते हैं,
लेकिन हम उसके बिना जीवित नहीं रह सकते हैं।

वह कहता है कि काफी हद तक संभव हो सकता है
दुनिया मे अस्तित्व मे होना, साँस लेना, नृत्य करना,

चीजों को देखना, बातों को सुनना,
और फिर भी जीवित ना होना,

क्योंकि केवल उसके पीछे व्यक्तिगत रूप से हो जाने के
बाद ही हम वास्तव मे जीवन को पा सकते हैं,

आध्यात्मिक रूप से जुड़ना उस
परमेश्वर के साथ जिसने हमें बनाया है।

अब, पिछले सप्ताह हमने चित्रण किया था
व्हेल और समुद्र तट के बारे में,

और यह कुछ उस तरह का ही है।
यदि आप समुद्र तट पर व्हेल को देखें,

वह सांस लेने के लिए हांफ सकती हैं, है ना?

वह कुछ साँसें ले सकती हैं,
और बस थोड़ा बहुत हिल सकती हैं,

लेकिन क्या वह वास्तव में जी रही है?
अच्छा, नहीं। वह जीवित नहीं है।

उसको उस पर्यावरण से हटा कर उसके अपने
बेहतरीन वातावरण में डालना होगा

समुद्र के सच में फूलने-फलने के लिए। अच्छा, यीशु
दावा कर रहे हैं कि केवल वह हमें जीवन दे सकते हैं।

वह पुनरूत्थान और जीवन है,
और इसलिए वह कह सकते हैं,

"वह जो मुझ में विश्वास करता हैं जिएगा", या
"वह पुरुष या स्त्री जो मुझ में विश्वास करेंगे जीवित रहेंगे,

भले ही वह मर जाता है, और जो कोई भी जीवित है
और मुझमें विश्वास करता है कभी नहीं मरेगा।"

वह है, जो कोई भी यीशु में विश्वास करता है

© Lee McMunn, 2011

एक दिन शारीरिक रूप से जिएगा,
यदि वे शारीरिक रूप से मरेंगे फिर भी।

परन्तु जो कोई भी यीशु के पास व्यक्तिगत रूप से आता है वह
इस तरीके से जीता है कि जो कभी रुक नहीं सकता।

तब यीशु ने वह अद्भुत सवाल पूछा मारथा से।
आप देखें यह कितना निजी है?

"क्या तुम इस पर विश्वास करती हो?" और वह कहती हैं,
अच्छा, ध्यान दें कि वह क्या कहती है?

सिर्फ, 'हाँ' नहीं। वह कहती हैं, "हाँ, प्रभु,
मुझे विश्वास है कितू मसीह, परमेश्वर का पुत्र है,

जो दुनिया में आने वाला था।"

यह कि, उसकी उम्मीद प्रतिज्ञा किए हुए
यहूदी मसीहा मे थी,

जो, जब वह दृश्य पर पहुंचेगा,
वह ज़िम्मेदार होगा

सभी शारीरिक पुनरुत्थान के लिए,
और वह कह रही है, 'मैं समझ गई हूँ।

मै जानती हूँ कि तू कौन है।
तू यह प्रतिज्ञा किया हुआ मसीहा है।'

अच्छा, कि एक बड़ा दावा है, है ना?
पुनरूत्थान और जीवन होने का।

हम सभी जानते हैं कि कुछ लोग होते हैं जो बड़े दावें
करते हैं, लेकिन उनकी पुष्टि नहीं कर पाते हैं।

उदाहरण के लिए, अगर मैं तुमसे अभी कहूँ

कि मेरी आवाज़ विश्व में
सबसे बढ़ियां है।

पता है, 'फ्रेंक सिनात्रा सावधान,
आपका मुझसे कोई मुकाबला नहीं।

मेरी सबसे बढ़ियां आवाज है - तुम सिर्फ
रुको!' अब, आप मुझसे क्या कहेंगे?

© Lee McMunn, 2011

तुम में से जिन्होने मुझे पहले गाना गाते सुना है
सोच रहे होगें, 'मेहरबानी करके नहीं,'

अन्यथा आप मुझसे कह सकते हैं,
'इसे साबित करो! साबित करो!'

और मैं यह कैसे साबित करूंगा?
अच्छा, कोई मुझे एक माइक्रोफोन दे देगा,

और पहले दो सेकंड के भीतर, आपके
नाजुक कान दया की भीख मांग रहे होंगे।

क्योंकि यह बहुत स्पष्ट है, अगर तुम मुझे
गाते सुनो, कि मै बेसुरा हूँ।

मैं एक बड़ा दावा कर सकता हूँ, लेकिन मैं इसे पुष्ट
नहीं करसकता। लेकिन यीशु के बारे में क्या?

बड़ा, बड़ा दावा, जीवन और मृत्यु
की शक्ति होने का।

ठीक है, आइए देखें आगे कैसे बढ़ना है।
आयत 28 को देखिए:

"यह कह कर वह चली गई
और अपनी बहन मरियम को बुलाकर

चुपके से कहा, 'गुरु यहीं है, और
तुझे बुलाता है।'

जब उसने यह सुना तो वह शीघ्र उठी,
और उससे मिलने को चल पड़ी।

यीशु अब तक गांव मे नहीं पहुंचा था,

परंतु उसी स्थान में था
जहां मारथा उस से मिली थी

तब जो यहूदी उसके साथ घर मे थे
और उसे सांत्वना दे रहे थे,

जब उन्होंने मरियम को तुरंत
उठकर बाहर जाते देखा,

तो यह समझकर कि कब्र
पर रोने को जा रही है, वे उसके पीछे चल पड़े।

© Lee McMunn, 2011

जब मरियम वहाँ पहुंची जहाँ
यीशु था, तो उसे देखते ही

उसके चरणों पर गिर पड़ी और कहने लगी,"
और आप उसी प्रकार का तनाव यहाँ भी देख सकते हैं

"'प्रभु, यदि तू यहाँ होता तो,
मेरा भाई न मरता।'

जब यीशु ने उसे और उसके साथ
आए यहूदियों को भी रोते देखा,

तो वह आत्मा मे अत्यंत व्याकुल और दुखी हुआ,
और कहा, 'तुमने उसे कहाँ रखा है?'

उन्होनें उससे कहा 'प्रभु चलकर देख ले।'"
और यह अगली आयत?

बाइबल की सबसे छोटी आयत।
"यीशु रो पड़ा।

अतः, यहूदी कहने लगे, 'देखोवह उससे कितना
प्रेम करता था!' परंतु उनमें से कितनों ने कहा,

'क्या यह जिसने अंधे कि आँखें खोली इस मनुष्य
को मरने से नहीं रोक सकता था?'"

देखो वे क्या कह रहे हैं? 'ओह हाँ,
वह कुछ तरकीबें कर सकता था।

वह कुछ चमत्कार कर सकता था।
परन्तु इस के बारे में क्या?

यह आदमी मर गया है कई दिनों पहले-
अब वह क्या कर सकता है? कुछ आँसू बहाएगा?'

खैर, वह क्या कर सकता हैं? ठीक है, देखते जाओ,
आयत 38: "फिर यीशु मन मे बहुत ही शोकित होकर

कब्र पर आया। वह एक गुफा थी और एक पत्थर
उसपर ऱखा हुआ था।

यीशु ने कहा 'पत्थर को हटाओ।'"

आपको अपने आप पर पूरा यकीन होना चाहिए
ऐसा करने के लिए, क्यों है ना?

© Lee McMunn, 2011

"उस मृतक कि बहिन मारथा ने
उससे कहा, 'प्रभु,

अब तो उसमें दुर्गंध आती होगी,
क्योंकि वह चौथा दिन था।'"

दूसरे शब्दों में, वह कहती है उससे बदबू आ रही है।
पता है, पत्थर मत हटाओ।

"यीशु ने उससे कहा, 'क्या मैंने तुझसे नहीं कहा कि यदि
तू विश्वास करेगी तो परमेश्वर की महिमा देखेगी?'

तब उन्होनें पत्थर को हटाया।
और यीशु ने अपनी आँखे उठाई और कहा,

'पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तूने मेरी सुन ली है।
और मैं जानता हूँ कि तू सदैव मेरी सुनता है,

परंतु चारों ओर खड़े लोगों के
करण मैंने ऐसा कहा,

कि वे विश्वास करें कि तूने मुझे भेजा है।'

और जब वह ये बातें कह चुका, तो उसने बड़ी
ज़ोर से पुकारा, 'हे लाजर, निकल आ!'"

आप जानते हैं क्या हुआ?
"जो मर गया था वह कफन

से हाथ-पैर बंधा हुआ निकल आया, और
उसका मुंह कपड़े से लिपटा हुआ था

यीशु ने उन से कहा, 'उसके बंधन खोल दो
और उसे जाने दो।'

तब उन यहूदियों मे से
जो मरियम के पास आकर

यीशु का यह कार्य देख चुके थे,
बहुतों ने उस पर विश्वास किया।"

अच्छा, तुमने देखा। प्रमाण है कि
यीशु के पास जीवन और मृत्यु पर सामर्थ्य है।

अब, मुझे लगता है कि हमारी ज़िंदगी के कई पहलुओं में,
हम बहुत सशंकित हैं।

© Lee McMunn, 2011

हमें यकीन दिलाने के लिए ठोस प्रमाण की जरूरत होती है।
लेकिन जीवन का एक क्षेत्र है

जहां लोग विश्वास करेंगे
लगभग किसी भी बात पर बिना किसी आधार के।

और वह है मृत्यु का क्षेत्र ।
हम सभी प्रकार कि बातों पर विश्वास करेंगे

भविष्य के बारे में बिना किसी भी आधार पर ।
लेकिन मसीहियों के बारे में क्या?

यीशु के बारे में ये सारी बातें
पुनरुत्थान, जीवन के रूप में,

क्या हमारे पास इसका कोई आधार है?

क्या हम इसपर सिर्फ इसलिए विश्वास करना चाहते हैं
क्योंकि यह अच्छा सुनाई देता है?

अच्छा, नहीं। यहाँ पर यीशु, एक आदमी को
मरे हुओं में से शारीरिक रूप से मौत से उठाते हैं।

अब, मैं यह करने कि कभी सपने में भी नहीं सोच सकता।
किसी के अंतिम संस्कार पर जहाँ मैं था,

या जहाँ मैंने संचालन किया।
तुम्हें पता है, कल्पना करें: मैं ताबूत के पास जाता हूँ,

और मैं कहता हूँ, 'मैं बस एक मिनट के लिए
यह ताबूत खोलने वाला हूँ,

और मैं शरीर से बात करने वाला हूँ।'

क्या आपको लगता है कि मुझे मेरे जीवन में दोबारा
किसी अंतिम संस्कार का संचालन करने दिया जाएगा?

आपको अपनी शक्ति पर पूरा यकीन होना चाहिए
इस के लिए, और यीशु को विश्वास था कि

वह मरे हुओं में से लोगों को उठा सकता हैं।

अब, हमें यह समझना होगा कि यह
एक विचित्र कहानी नहीं है। यह घटा है।

यह विश्वसनीय लोगों द्वारा दर्ज किया गया है
ताकि हम विश्वास कर सकें

© Lee McMunn, 2011

यीशु का महान वादा पुनरूत्थान
और जीवन होने का।

अब, सवाल यह है, क्या हम विश्वास करेंगे?
क्या हम यीशु के पास आएंगे,

हमारे राजा के रूप में उसे आत्मसमर्पण करेंगे,
हम जैसे है वैसे आऐं, और उसके पीछे हो लें?

क्योंकि अगर हम ऐसा करते हैं, यीशु कहते हैं,
'यदि तुम मेरे पास आओ, तो अब तुम जीवित रहोगे,

और यह जीवन कभी भी समाप्त नहीं होगा,
और मेरे अनुयाई होने के नाते

तुम्हारा वास्विक अंत होगा
शारीरिक रूप से पुनरुत्थान होना,

एक नई भौतिक दर्द रहित
और कष्ट रहित दुनिया में,

सदा के लिए परमेश्वर कि उपस्थिति में
जीवित रहने के लिए।'

अब, इसके बारे में बहुत सोचना है,
क्यों है ना? तो आप लौट जाएं

अपने टेबल पर और देखें कि जो यीशु ने अभी कहा है
आप उसका क्या सार निकालते हैं?

© Lee McMunn, 2011

All rights reserved. Except as may be permitted by the Copyright Act, no part of this publication may be reproduced in any form or by any means without prior permission from the publisher.

Published by 10Publishing, a division of 10ofThose Limited.

All Hindi scripture quotations are taken from Hindi-O.V. © The Bible Society of India.

10Publishing, a division of 10ofthose.com
Unit 19 Common Bank Industrial Estate, Ackhurst Road, Chorley, PR7 1NH, England.
Email: info@10ofthose.com
Website: www.10ofthose.com